

निद्रयज्ञतद्धर्मबोधसामग्र्यपेक्षते BHĀSHĀP. 63. — 6) mit n nicht ansehen können, nicht leiden: स (विष्णुः) हि निर्व्याजभक्तानां नैवापद्रमपेक्षते KĀTHĀS. 17, 12. — Vgl. अवेक्षणीय fgg.

— व्यप 1) sich umsehen: व्यपेक्षमाणौ सह सीतया गति R. 2, 86, 22. — 2) Rücksicht nehmen auf: न व्यपेक्षत समुत्सुकाः प्रजाः RAGH. 19, 6. — अभि hinblicken auf: (यम्) अवेक्षितो मनसा रजमाने RV. 10, 121, 6. — अय 1) hinsehen nach, ansehen, betrachten: अदृष्टेन त्वा चक्षुषवेक्षे TS. 1, 1, 40, 3. खरमवेक्षते AIT. Br. 1, 22. आशीविषो वै नो राज्ञानमवेक्षते 6, 1. TS. 6, 6, 7, 2. ÇĀT. Br. 1, 3, 4, 13, 18. तद्गो ऽवेक्षो चक्रे तस्यान्तिणी निर्ददात् 7, 4, 6, 7, 1, 4, 40. 12, 4, 4, 6, 7. KĀTJ. ÇR. 10, 3, 4, 14, 5, 12. उद्देश- राव आत्मानमवेक्ष्य, तौ ह्येदंशरवे ऽवेक्षो चक्रते KĀND. UP. 8, 8, 1. धातृ- न्महीतले सुतानवेक्षत MBH. 1, 592, 3, 667. 4, 1234. HĪP. 2, 6, 3, 13. DRAUP. 3, 1. ARĀ. 4, 38. अवेक्षमाणश्चारेण महीं सूर्य इवांशुभिः R. 1, 7, 17. क्लान्त- उ- बलङ्घः खार्ताम् — तामवेक्ष्य पुरीम् 2, 42, 24. 54, 29. 57, 31. 59, 15. 68, 18. 88, 1. 97, 12. अवेक्षितस्व सौमित्रि कस्येमा मन्यसे चमूम् 16. 3, 35, 55. 50, 11. u. s. w. ÇĀK. 87, 20. KĀTHĀS. 2, 3. 21, 74. act.: साचीकृतमवेक्षतसा पा-ञ्चाली मध्यमं पतिम् MBH. 3, 592. अवेक्षितम् R. 2, 111, 15. अवेक्षित M. 4, 208. N. 23, 10. R. 5, 7, 56. — 2) wahrnehmen, bemerken, erfahren: अय पत्स्वे मधस्यै देवानां दुर्मतीरिति RV. 8, 68, 9. अवेक्षमाणः स ह्येहं चतुषा प्रपिबन्निव R. 2, 43, 5. घातमानं त्वन्यनुज्ञातमवेक्ष्य 32, 14. 106, 32. 4, 38, 59. योत्स्यमानानवेक्षे ऽहं य एते ऽत्र समागताः BHAG. 1, 23. BHARTṚ. 2, 67. तन्नम् die Wahrheit erfahren VID. 126. — 3) im Auge behalten, sein Augenmerk auf Etwas richten, berücksichtigen, erwägen, in Betracht ziehen: कार्यं सो ऽवेक्ष्य शक्तिं च देशकालौ च तन्नतः M. 7, 10. अवेक्षेत गतीर्नृणाम् 6, 6, 1. एतान्देवानवेक्ष्य 8, 10, 1. नित्यं शास्त्राप्यवेक्षेत निगमाश्च वै-दिकान् 4, 19. 7, 16, 81. 128. 8, 419. 10, 124. 11, 209. स्वधर्ममपि चावेक्ष्य BHAG. 2, 31. DRAUP. 5, 56. R. 2, 21, 6. 3, 2, 20. 4, 30, 22. 5, 23, 4. तदवेक्षस्व मामपि BRĀHMAN. 3, 14. N. 12, 11. BHAG. 18, 25. R. 2, 110, 35. 111, 16. 3, 60, 39. 71, 16. 5, 36, 34. 68, 23. SUÇR. 1, 18, 4. 129, 19. 2, 47, 8. RAGH. 3, 21. KUMĀRAS. 1, 17. नावेक्षे (so ist wohl zu lesen) परस्परम् thr nehmet nicht Einer auf den Andern Rücksicht KĀTHĀS. 24, 220. act.: यो नावेक्षसि वै नयम् MBH. 2, 2158. तं च कालमवेक्षती SĀV. 4, 33. partic. pass.: कुलं चावे- क्षितं मम R. 1, 34, 32. स्ववेक्षितं (wohl erwogen) सानुनयं च वाक्यम् 4, 31, 5. — 4) erwarten, hoffen auf: आत्मप्रत्ययास्तुष्टः परप्रत्ययमप्यवेक्षते Sch. zu ÇĀK. 11, 16. — caus. veranlassen hinzusehen: ब्राह्मणद्वयस्य पत्नी- मवेक्षयति KĀTJ. ÇR. 2, 7, 4, 9. 3, 8, 13. 4, 4, 16. — Vgl. अवेक्षणीय fgg.

— अन्वव 1) hinsehen auf: बाहू अन्ववेक्ष्य ÇĀT. Br. 3, 8, 25. संप्रकृ- ष्ठेन मनसा स चेनामन्ववेक्षत R. 1, 64, 9. 2, 50, 12. 5, 24, 22. ऊर्ध्वं पर्वतमा- रुह्य नान्ववेक्षत (sic) भूतलम् MBH. 14, 1389. सर्वतस् nach allen Seiten hin schauen R. 5, 16, 38. in Augenschein nehmen: करालो विकटो मुण्डः पुरुषः कृष्णपिङ्गलः । कालो गृहाणि सर्वाणि काले काले ऽन्ववेक्षते ॥ 6, 1, 143. — 2) schauen, wahrnehmen: तत्सर्वमन्ववेक्षत R. 1, 3, 5. पराक्रमं तस्य ततो ऽन्ववेक्ष्य 5, 93, 23. — 3) einer Betrachtung nachgehen, den- ken; einer Betrachtung unterwerfen, in Betracht ziehen, seine Aufmerk- samkeit zuwenden, berücksichtigen: इत्यन्ववेक्षत R. 4, 42, 11. MBH. 1, 8227. 3, 1250. सूक्ष्मतां चान्ववेक्षेत योगेन परमात्मनः M. 6, 65. धर्ममेवा- न्ववेक्षसे MBH. 2, 2358. समतामन्ववेक्ष्य 237. गुह्यं गुरुकार्याणि काले काले ऽन्ववेक्षत R. 1, 77, 23. — Vgl. अन्ववेक्षता.

— अन्वव anblicken: स पञ्चमानस्य पद्मनन्ववेक्षते ÇĀT. Br. 11, 1, 5, 1. 7, 3, 2, 14. MBH. 2, 2686.

— उपाव hinblicken, hinunterblicken: रथचक्रे पत्यङ्गमाने उपावेक्षते ÇĀT. Br. 2, 3, 2, 12. 5, 2, 1, 18.

— निरव gewahrwerden: ममापि दुःखं निरवेक्ष्य MRĀKṢH. 86, 1.

— पर्यव von allen Seiten ansehen: ततो वाचस्पतिर्जज्ञे तं मनः पर्यवे- क्षते MBH. 14, 636.

— प्रत्यव 1) anschauen: इमां प्रत्यवेक्षमाणो जपति ÇĀT. Br. 5, 4, 2, 20. R. 2, 39, 2. — 2) besichtigen, in Augenschein nehmen, nachsehen wie es sich mit Jmd oder Etwas verhält: यावद्दृशाम्प्रमवर्तिनः प्रत्यवेक्ष्योपावर्ते ÇĀK. 8, 14. 18, 23, v. l. प्रत्यवेक्षन् MBH. 2, 1906. वैद्यो ह्यस्ति — सुषेणो नाम नामतः । प्रत्यवेक्षन्तु सौमित्रिम् R. 6, 82, 23. लक्ष्मणाः प्रत्यवेक्ष्यताम् 26. आहारं वैद्यप्रत्यवेक्षितम् SUÇR. 2, 143, 14. प्रत्यवेक्षिताः प्रमद्वानभूमयः ÇĀK. 80, 21. यत्प्रत्यवेक्षितं पौरकार्यमार्येण 81, 1. — 3) auf Jmd oder Etwas Rücksicht nehmen: प्रत्यवेक्षस्व मामपि bedenke auch mich R. 2, 32, 34. न धर्मं प्रत्यवेक्षते 1, 34, 27.

— समव 1) ansehen, betrachten, um sich sehen, zu Gesicht bekommen: समवेक्षते सभाम् MBH. 4, 218. अज्ञात्मानं समावेक्षस्व बालम् 3, 10628. R. 4, 12, 27. 44, 118. 6, 23, 35. यदि दृष्टं बलं सर्वं वयं च समवेक्षिताः 1, 25. निरीक्षमाणस्त्वमथ वायसं समवेक्षथाः 5, 68, 8. समवेक्षन् MBH. 3, 13599. — 2) mit dem geistigen Auge betrachten, nachdenken; erwägen, in Betracht ziehen, berücksichtigen: समवेक्ष्यात्रवीढाक्यमिदम् R. 1, 15, 10. 2, 34, 14. सर्वं तु समवेक्ष्येदं निखिलं ज्ञानचक्षुषा M. 2, 8. मूढं न तन्नं समवेक्षसे MBH. 3, 11462. समवेक्ष्य नयानयो R. 2, 78, 4. नूनं त्वं नात्मनः श्रेयः समवेक्षितुमि- च्छसि 3, 59, 17. किमिति च मां समवेक्षसे न दीनाम् GHAT. 13. — 3) aner- kennen, für nöthig erachten: शरीरे न दृशो कांचिदात्मनः समवेक्षत R. 4, 19, 2. — caus. sehen lassen: उदपात्रे समवेक्ष्येत् KAUC. 55.

— आ ansehen: स्पर्शान्वेक्ष्य (वेक्ष्य?) पाश्चालीम् MBH. 2, 2389.

— उद् 1) hinaufblicken zu: सूर्यमुदीक्षते ÇĀT. Br. 1, 9, 2, 15, 16. 2, 2, 4, 12. 3, 7, 1, 18. उन्नय्य वदनं भीरुः शिंशयो तामुदीक्षत R. 5, 30, 12. 33, 16. 36, 26. तमुदीक्ष्य 3, 73, 11. — 2) ansehen, erblicken, schauen, sehen: तमुदीक्ष्या- भ्युवाद ÇĀT. Br. 14, 9, 1, 1. न विपमूत्रमुदीक्षते M. 4, 77. MBH. 3, 951. 11614. 11622. ARĀ. 6, 6. SĀV. 5, 63. R. 1, 76, 11. रामानन्मुदीक्षत 6, 101, 22. 2, 9. तमागतमुदीक्ष्य सः 5, 39, 18. अथःप्रस्थापिताश्चैन — सहस्ररश्मिना साक्षा- त्प्रणाममुदीक्षिताः KUMĀRAS. 6, 7. 7, 67. AMAR. 71. तस्याः षडङ्गामयं दुःखं मुहूर्तमपि नात्सहे । मनसि प्रतिज्ञातं सौमित्रे ऽहमुदीक्षितम् ॥ R. 2, 22, 7. प्रच्छन्नं वा प्रकाशं वा सर्वमग्निरुदीक्षते 6, 103, 11. — 3) (eine Zeitlang) zusehen, warten, zögern; erwarten: त्रीणि वर्षाण्युदीक्षते कुमार्यतुमती सती । ऊर्ध्वं तु कालादेतस्माद्विन्देत सदृशं पतिम् ॥ M. 9, 90. नोदीक्षते स्म किं च न MBH. 2, 2218. भरतस्वामुदीक्षते R. 6, 109, 5. — caus. hinaufse- hen lassen: अथैनं सूर्यमुदीक्षयति PĀR. GRH. 2, 2.

— अन्वुद् hinsehen nach, auf: प्रकाशं नान्वुदीक्षत R. 2, 40, 39. सचिवा- नन्वुदीक्षत 6, 11, 2.

— प्रत्युद् anschauen: मा स्मैनं प्रत्युदीक्षथाः R. 2, 9, 19. erblicken: प्र- त्युदीक्षत तोयधिम् BHARTṚ. 7, 103.

— समुद् 1) schauen, ansehen, erblicken: मन्दप्राणो ह्ययं पत्नी कथंचिद्यदि जीवति । स्वरहीनश्च दीनश्च विस्फुरः समुदीक्षते ॥ R. 3, 73, 8. रणाशिरसि निपातितस्य वक्त्रं मुदितमनाः समुदीक्षितुं वरामि 6, 83, 13. विषषो हरि-